







डेंगू से प्रभावित लोगों का कैसे ख्याल रखें।



यदि घर में किसी को डेंगू हो जाता है, तो कैसे उसका ख्याल रखना चाहिए?

यदि आपके घर में कोई डेंगू पीड़ित होता है, चाहे वो बच्चा हो या कोई व्यस्क, तो उसे ज्यादा से ज्यादा आराम करने की सलाह दें।



अपने आप से किसी भी तरह की दवाई न दें। न मोर्टिन, एडविल और एस्पिरिन से जुड़ी दवाईयां। डॉक्टर के अनुसार ही मरीज का ख्याल रखें।



गीले कपड़े या स्पॉन्ज को मरीज के बुखार से तपते शरीर पर रखें। इससे उसका तापमान सामान्य होने में मदद मिलेगी।

डेंगू होने पर खानपान कैसा रखें?



मरीज को भारी मात्रा में तरल पदार्थ दें।
मरीज के शरीर में पानी की कमी न हो।



मरीज को ज्यादा से
ज्यादा पानी पिलाएं।

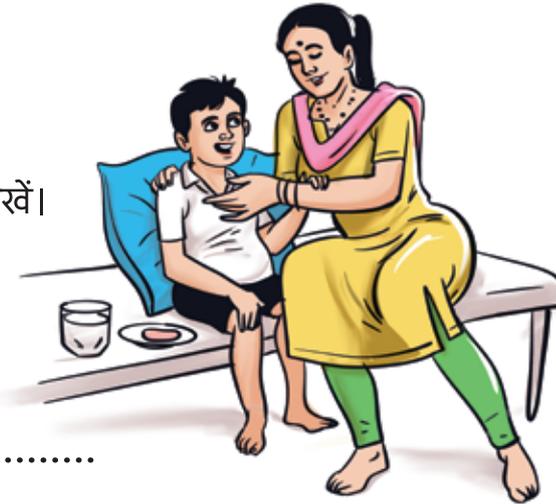


डेंगू मरीज पानी पीने में अक्षम हो या पानी न पी रहा हो, तो ऐसे में क्या करें?



अगर मरीज पानी न पी रहा हो या पीने में अक्षम हो तो तुरंत उसे नजदीकी क्लीनिक में लेकर जाएं, या गंभीरता को देखते हुए उसे एमरजेंसी में भरती करवाएं।

याद रखें मरीज को हमेशा सकारात्मक बनाए रखें, उसे बीमारी से लड़ने के लिए प्रेरित करें और हर समय उसका ख्याल रखें।

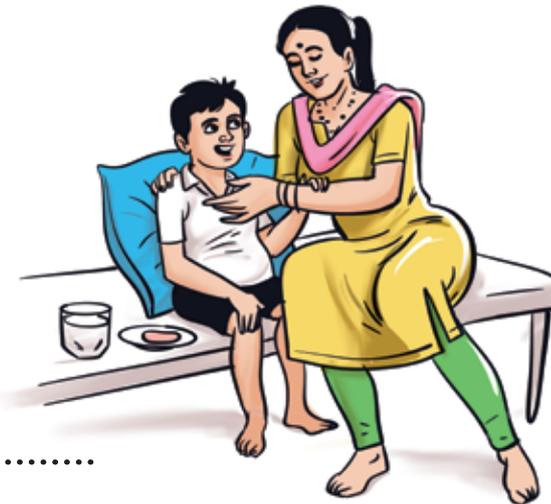


डेंगू मरीज पानी पीने में अक्षम हो या पानी न पी रहा हो, तो ऐसे में क्या करें?



मरीज पानी पीने में अक्षम हो तो तुरंत
उसे नजदीकी क्लीनिक में लेकर जाएं

बीमारी से लड़ने के लिए प्रेरित करें
और हर समय उसका ख्याल रखें।



सार

इन पर चर्चा करें

- डेंगू किस तरह की बीमारी है ?
- डेंगू के क्या लक्षण होते हैं?
- डेंगू से कैसे बचाव करें?

महत्वपूर्ण संदेश

- डेंगू वायरस से जुड़ी घातक बीमारी है, जो संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से शरीर में पहुंचती है। डेंगू हेमरेजिक (रक्तस्रावी) बुखार से मृत्यु भी हो सकती है।
- तेज बुखार, सिर दर्द, जोड़ों- मांसपेशियों में दर्द, भूख न लगना, जीभ का स्वाद गायब हो जाना, उल्टी आना छाती और त्वचा पर चकत्ते पड़ना डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं।
- एडीज मच्छर को पनपने से रोकने के लिए साफ पानी को रुकने से बचाएं, कूलर, ड्रम, कलश, मर्तबान, घड़ा, बाल्टि, फूलदान, गमला, टंकी और जलकुंड में पानी न भरने दें। दिन के समय मच्छर नाशक स्प्रे करवाएं, टांग और बांह को ढके रहें ऐसे कपड़े पहने।

अगर आपके घर में किसी को बुखार है तो

- बुखार होने पर खून की जांच करवाएं।
- डेंगू पीड़ित होने पर ज्यादा से ज्यादा आराम करें।
- डॉक्टर के अनुसार ही दवा लें।
- गीले कपड़े या स्पॉन्ज को मरीज के तपते शरीर पर रखें ताकि तापमान नियंत्रित किया जा सके।



+ WUNDERMAN THOMPSON	Client: Family Health India Brand: FHI India	File Name: A4 FHI Dengue Flip Book Topic 4 Folder Name: 2023-1228 Family Health India POS AW	Artwork : A4 Artwork Size: 29.7x21cm
	Job No.: 2023-1228 Date: 26-06-2023	Publication: Press - Mag - Other Job:	Operator: Jagdish Mac Name: Jagdish

डेंगू होने पर खानपान कैसा रखें?



डेंगू के रोगी के लिए खानपान का ख्याल रखना सबसे जरूरी है।

मरीज को भारी मात्रा में तरल पदार्थ दें। ये सुनिश्चित करें कि मरीज के शरीर में पानी की कमी न हो।

डेंगू के दौरान मरीज के शरीर से उल्टी और बुखार के कारण काफी तरल पदार्थ निकल जाता है। ऐसे में मरीज को ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएं।

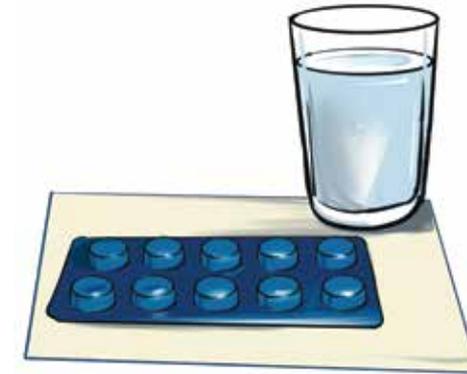


डेंगू होने पर किस तरह की दवाई दी जा सकती है, जो आसानी से उपलब्ध हो?



तेज बुखार है तो उसे पेरसिटामोल
दी जा सकती है।

पेरसिटामोल की गोलियां
हर छह घंटे में खिलाएं।
एक दिन में करीबन चार बार।



डेङ्गू से प्रभावित लोगों का कैसे ख्याल रखें।



यदि घर में किसी को डेङ्गू हो जाता है, तो कैसे उसका ख्याल रखना चाहिए?

डेङ्गू पीड़ित होता है, उसे ज्यादा से ज्यादा आराम करने की सलाह दें।



अपने आप से किसी भी तरह की दवाई न दें।



गीले कपड़े या स्पॉन्ज को मरीज के बुखार से तपते शरीर पर रखें।

डेंगू होने पर किस तरह की दवाई दी जा सकती है, जो आसानी से उपलब्ध हो?



अगर मरीज को तेज बुखार है तो उसे
पेरासिटामोल दी जा सकती है।

पेरासिटामोल की गोलियां हर छह घंटे में खिलाएं।

यानी की एक दिन में करीबन चार बार। जिससे
मरीज के तपते शरीर को राहत मिलेगी।

